NT>
11.02 hrs.

Title: Regading reported police firing on farmers at Munderva Sugar Mill in Basti District, Uttar Pradesh.

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपका एक मिनट लेना चाहता हूं। कल माननीय प्रधान मंत्री जी ने हस्तक्षेप कर के बस्ती में किसानों की जो हत्याएं हुईं उनके बारे में कहा कि वे जांच कराएंगे और सदन में बयान देंगे। प्रधान मंत्री महोदय ने जब हस्तक्षेप किया तो उससे हमें बहुत उम्मीद और आाा बंधी कि जब स्वयं माननीय प्रधान मंत्री महोदय हस्तक्षेप कर रहे हैं, तो किसानों की समस्याओं का कुछ समाधान निकलेगा। हमने बार-बार कहा कि गोली चली और तीन किसान मरे, पुलिस छिपा रही है, लेकिन हमारी बात नहीं मानी। मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि जनता ने पुलिस से उन दोनों किसानों के ावों को छुड़ा लिया और उन दोनों लाों का पोस्टमार्टम कराया गया। इस प्रकार से यह बात साबित हो गई कि जो बयान यहां माननीय मंत्री जी द्वारा दिया गया, वह गलत था।

महोदय, दूसरी ओर यह बात जानकर पूरे सदन को अफसोस होगा, किसानों की हत्याएं हुईं, वह न समाजवादी पार्टी का और न ही किसी अन्य पार्टी का सवाल है, बल्कि हिन्दुस्तान के आम किसान का सवाल है। मैं तीनों के नाम आपको बताऊंगा। उत्तर प्रदेा की मुख्य मंत्री महोदय का बयान आया है जो कितना घिनौना और घटिया बयान हो सकता है उसका अंदाज आप स्वयं लगाइए, उन्होंने कहा कि यह समाजवादी पार्टी के लोगों ने कराया है। अगर समाजवादी पार्टी के लोगों ने कराया है, तो समाजवादी पार्टी के लोगों को गिरफ्तार करना चाहिए था।

महोदय, हमने एक पार्टी वहां भेजी। उसने हमें रिपोर्ट दी है कि 13 करोड़ 5 लाख 90 हजार रुपए अकेले बाराबंकी के किसानों का चीनी मिलों पर बकाया है। आपको और प्रधान मंत्री जी को उत्तर प्रदेा की एक-एक इंच भूमि का पता है। हिन्दुस्तान या उड़ीसा में जितने गरीब जिले हैं, उन्हीं गरीब जिलों में बस्ती भी एक जिला है जिसके किसानों का 13 करोड़ 5 लाख 90 हजार रुपया चीनी मिलों पर बकाया है। उन मिलों के नाम हैं- बस्ती गन्ना मिल जिस पर 724 लाख 99 हजार, डाल्टनगंज पर 4 करोड़, 8 लाख 19 हजार, भावनाम पर 2 करोड़ 52 लाख और रौट गांव में 1 करोड़ 50 लाख बकाया है।

इस तरह से 13 करोड़ 5 लाख 90 हजार रुपया किसानों का बकाया है। उस भुगतान की मांग करने पर उन पर गोला चलाना क्या ठीक है ? सब गोली से मारे गये हैं। जैसा मंत्री जी ने कहा कि वे भीड़ से मरे हैं जबकि तीनों गोली से मारे गये हैं। जो लोग गोली से मारे गये हैं, उनके नाम इस प्रकार से हैं--श्री धर्मराज, तिलकराम चौधरी और बद्री प्रसाद चौधरी। इसके अलावा 70 घायल हुए हैं जिनमें से छह की हालत गंभीर है। हमने वहां नेता विधान परिद् के नेतृत्व में जो कमेटी भेजी थी, उसे बाराबंकी में सफेदाबाग स्टेान के क्रासिंग पर रोककर गिरफ्तार कर लिया। श्री नयामत हुसैन, नेता विधान परिद, श्री भगवती सिंह, जो माननीय प्रधान मंत्री जी क्षेत्र से दो-तीन बार एम.एल.ए. रह चुके हैं और आज विधान परिद के नेता हैं तथा रस्ती विधायक क्षेत्र वहीं बगल में लगा हुआ है बाराबंकी क्षेत्र और फैजाबाद यानी इन तीनों विधायकों और इनके कार्यकत्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। उसी कमेटी के साथ सांसद कुंवर अखिलेा सिंह भी गये थे जिन्हें बस्ती के स्टेान पर गिरफ्तार कर लिया गया। बाराबंकी से 170 किलोमीटर भीतर बस्ती है। जो लोग वहां असलियत जानने के लिए गये, उन्हें लखनऊ से निकलते ही गिरफ्तार कर लिया गया। वहां अभी तक सारे तथ्यों को छिपाया जा रहा है। वहां किसानों को पेाबंदी करके पुलिस ले गयी है। यह सब कुछ सरकार के निर्देाानुसार हो रहा है। इसके बाद सरकार का मुख्यमंत्री यह कहे कि एक आदमी की हत्या हुई है। आप आज का अमर उजाला पेपर देखें। यह कहना कि यह सब समाजवादी पार्टी के लोगों ने कराया है, ठीक नहीं है। यह समाजवादी पार्टी के लोगों ने नहीं कराया है, किसानों ने स्वयं किया है, वहां की सरकार ने स्वयं किया है। जितने भी नेता थे, उन सबको गिरफ्तार कर लिया। वहां भीड़ जरूर अनियंत्रित हुई लेकिन उसका कारण सरकार और वहां का जिला परिद है। â€¦(व्यवधान) वहां डी.आई.जी. मौके से भाग गया। अगर डी.आई.जी. मौके से न भागा होता तो माननीय प्रधान मंत्री जो इतनी गंभीर घटना को होने से बचाया जा सकता था। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, अभी यह समय नहीं है कि हम इस पर चर्चा करें। आप बैठिये।
...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : हमारी आपसे प्रार्थना है कि संसदीय दल की एक कमेटी वहां जांच के लिए जाये। सरकार सारे तथ्यों को छिपा रही है। मौके पर जो कमेटी गयी, उस कमेटी को गिरफ्तार कर लिया गया। इसलिए हमारी आपसे प्रार्थना है कि संसदीय दल की कमेटी को वहां तत्काल भेजा जाये तथा किसानों के जो नेता हैं, उन्हें तत्काल रिहा किया जाये। इसके साथ-साथ सांसद कुंवर अखिलेा सिंह को पुलिस के कब्जे से रिहा किये जाये और उन्हें मौके पर जाने दिया जाये, कमेटी को जाने दिया जाये। हमें पूरा विवास है कि हमारी जो कमेटी वहां जायेगी, वह सार्थक साबित होगी। यदि आप कमेटी को रोकेंगे तो उतनी ही उत्तेजना और फैलेगी। समाजवादी पार्टी हमेाा अन्याय के खिलाफ लड़ेगी। समाजवादी पार्टी लाखों की भीड़ â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये।
...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : उसके बाद यह कहना कि समाजवादी पार्टी करा रही है, यह समाजवादी और किसानों पर अत्याचार होगा। तब समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेा के किसानों को सड़कों पर उतारेगी, यह कहने में हमें कोई एतराज नहीं है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपके नेता ने भााण दिया है इसलिए अब आपकी क्या जरूरत है ?
...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, आप कोई रूलिंग दीजिए।
श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : मेरी एक प्रार्थना है कि कल ारद यादव जी ने जो बयान दिया। â€¦(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : आपके नेता बोल चुके हैं इसलिए अब आपकी क्या जरूरत है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आपने जो विाय उठाया है, वह बहुत महत्वपूर्ण विाय है। मैं उस विाय का महत्व समझता हूं। कल श्री ारद यादव ने यहां नि वेदन करते समय कहा था कि हमारे पास जो इन्फोर्मेान है, वह स्टेट गवर्नमैंट ने भेजी है। उसे मैं यहां रख रहा हूं। आपका यह कहना है कि एक व्यक्ति का देहांत नहीं हुआ है। इसमें तीन लोग मारे गये हैं और आपने उनके नाम भी बताये हैं।
...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : उन्हें सरकार ने छिपाया है। पुलिस के कब्जे से निकालकर उनका पोस्टमार्टम किया गया है। â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने यही निवेदन किया है कि इस विाय पर चर्चा होनी चाहिए। मैंने तो हर समय कहा है कि किसी भी विाय पर इस सदन में चर्चा हो सकती

है, बहस हो सकती है। उस पर निर्णय कर सकते हैं मगर इसके लिए थोड़ा समय लगेगा। मैं गवर्नमैंट से कहूंगा कि जब उन्हें सुविधा हो, उस समय वे इस पर चर्चा करा सकते हैं।

श्री प्रमोद महाजन : हमारी दृटि से कोई आपत्ति नहीं है। अगले सप्ताह आप जो भी तिथि तय कर लें। अगर 19 तारीख को संभव हो तो उस दिन इस पर चर्चा की जा सकती है। तब तक सारे विाय आ जायेंगे और उस समय सरकार अपना भी पक्ष रख सकती है।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमने कल भी प्रार्थना की थी कि श्री ारद यादव जी ने जो बयान दिया था, उसका सत्यता से कोई संबंध नहीं है।

माननीय मुलायम सिंह जी ने तीन लोगों के नाम गिनाए। तीन किसानों का पोस्ट मार्टम हुआ है। कल बयान में बताया गया कि कोई फायरिंग नहीं हुई। उत्तर प्रदेा की मुख्य मंत्री का बयान मेरे पास है। उन्होंने खुद कहा है कि किसानों पर फायरिंग की गई। ारद यादव जी का बयान सत्यता से परे था। यह बहुत गंभीर मामला है। हमने कल भी आपसे प्रार्थना की थी कि मेहरबानी करके संसदीय समिति भेज दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। हम क्या कह रहे हैं, सरकार क्या कह रही है, वह अलग सवाल है। सत्यता सामने आ जाए, इसके लिए बहुत आवयक है कि संसदीय समिति भेजी जाए जिससे सभी तथ्य सामने आ जाएं।

अध्यक्ष महोदय : मैं इस विाय को बहुत गंभीरता से लेता हूं क्योंकि मैं सोचता हूं कि हर समय स्टेट गवर्नमैंट से जो इन्फार्मेान आती है, वह सही है या गलत, यह देखना पड़ेगा। इसलिए ारद यादव जी भी इस विाय पर निवेदन करना चाहते है। आपको भी यह विाय सदन में डिटेल में रखना पड़ेगा और इस विाय पर चर्चा हो सकती है। मेरे पास जो रिकार्ड है, मैंने उसमें देखा है, हम इस विाय पर 19 तारीख को चर्चा रखेंगे और चर्चा में जैसे आपने कहा, दूध का दूध, पानी का पानी होना चाहिए, उस दिन सब हो जाएगा। इसलिए मैं उस दिन चर्चा रखूंगा।

श्री भेरू लाल मीणा (सलूम्बर) : अध्यक्ष जी, मुझे भी बोलने का मौका दीजिए।

अध्यक्ष महोदय : मैंने देखा है, मैं आपको ज़ीरो आवर में इजाजत दूंगा।

Now, we shall take up the Question Hour.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेा के जनपद बस्ती के अन्तर्गत मुंडरखा चीनी मिल के गेट पर धरना दे रहे तीन किसानों को पुलिस की गोली का शिकार होना पड़ा। यह घटना बड़ी दुखद और शर्मनाक है। इस बारे में आपने आलरेडी नियमन दे दिया है कि किसानों के प्रश्न पर 19 दिसम्बर को चर्चा होगी, लेकिन यह विाय इसलिए बहुत गम्भीर है क्योंकि अभी भी सात किसान मरणासन्न अवस्था में हैं। जो किसान विभिन्न अस्पतालों में भर्ती हैं, उनके बारे में जो जानकारी मेरे पास है, मैं उसे सदन को बताना चाहता हूं। 19 तारीख को जो चर्चा होगी वह किसानों के गन्ने के बकाया के भुगतान के बारे में होगी, इसमें कोई दो राय नहीं हैं, लेकिन अभी जो हालात हैं उनके बारे में बताना मैं आवश्यक समझता हूं। गोरखपुर मैडीकल कॉलेज अस्पताल में 20 किसान भर्ती हैं। बस्ती सदर अस्पताल में 10 किसान घायलावस्था में भर्ती हैं। लखनऊ मैडीकल कॉलेज अस्पताल में अभी 10 किसानों के केसेस रैफर किए गए हैं। सारे देश के संपूर्ण प्रदेशों में किसानों में जो संकेत गया है, उसके अनुसार उनमें बहुत आक्रोा व्याप्त है जिससे सारे देश में भयंकार स्थिति उत्पन्न हो गई है। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि सरकार इस बारे में क्या कर रही है ताकि जो सात किसान मरणासन्न अवस्था में हैं उनके जीवन की रक्षा हो सके और 19 तारीख में तो छः दिन शेा हैं, तो क्या छः दिन तक सरकार सदन को अंधकार में रखेगी।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : देखिए, 19 तारीख को चर्चा है। उस दिन आप मंत्री जी से इस बात की भी जानकारी ले सकते हैं।

...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, 19 तारीख को सरकार गन्ने के बकाया भुगतान और गन्ने के मूल्य के बारे में जवाब देगी। यह विाय बहुत गम्भीर है। â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उस समय यह विाय उठा सकते हैं।

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, यह विाय बहुत गम्भीर है। â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हम आपका आभार प्रकट करते हैं कि आपने 19 तारीख को गन्ना किसानों की समस्याओं पर चर्चा कराने की बात मंजूर कर ली है। अभी जैसे भाई देवेन्द्र ने कहा, बस्ती में जो फायरिंग हुई, उसके बाद से बस्ती जिले के पास-पड़ोस के तमाम किसान अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

दूसरी प्रार्थना यह कहना चाहूंगा कि समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल जिसमें सांसद अखिलेश जी भी शामिल थे, मौके की जांच करने गया था कि वस्तुस्थिति क्या है। उन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। संसदीय राज्य मंत्री बैठे हुए हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है, मैं आपके मार्फत निवेदन करना चाहूंगा कि वे राज्य सरकार से बात करें कि क्या बात है। क्या कोई जांच करने नहीं जा सकता? कोई उपद्रव पैदा करने के लिए वहां नहीं जा रहे थे। संसदीय कार्य मंत्री जांच कर लें कि क्या स्थिति है। मेहरबानी करके उन लोगों को छुड़वाने की व्यवस्था की जाए। जो कुछ हुआ, वह हुआ, चालीस किसान घायल हैं।â€¦ (व्यवधान) हमने कल ही कहा था कि राज्य सरकार की तरफ से जो जानकारी दी गई है और शरद यादव जी ने यहां जो बयान पढ़ा था, उसका सत्यता से कोई संबंध नहीं है। आज उत्तर प्रदेा की मुख्य मंत्री का बयान अखबारों में छपा है कि फायरिंग हुई है। कल राज्य सरकार ने जो जानकारी दी थी और जो बयान मंत्री जी ने पढ़ा, उसमें फायरिंग न होने की बात कही गई थी। यह बिल्कुल कंट्रोवर्शियल है, किसानों के साथ बहुत अन्याय हो रहा है। श्री गंगवार जी बैठे हुए हैं। वे राज्य सरकार से बात कर लें कि क्या स्थिति है। एक सांसद गिरफ्तार है और जो दूसरे लोग गिरफ्तार हैंâ€¦ (व्यवधान) यह गंभीर मामला है। अध्यक्ष महोदय, हम आपका संरक्षण चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, चालीस किसान घायल हैं।â€¦ (व्यवधान) मंत्री जी को इसका अध्ययन करना चाहिए।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री संतोा कुमार गंगवार) : माननीय मुलायम सिंह जी ने सदन के प्रारंभ में ही बताया था और सरकार ने इसका संज्ञान भी लिया है। इसलिए दुबारा इस बारे में कहने की आवश्यकता नहीं है।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, संसद में तब गतिरोध पैदा होता है जब सरकार का रवैया सार्थक नहीं होता। आपने राज्य सरकार से क्या बात की, वह बताएं।â€¦ (व्यवधान) जो लोग गिरफ्तार हैं, एक सांसद गिरफ्तार है, आपने क्या नोटिस लिया है।â€¦ (व्यवधान)

श्री संतोा कुमार गंगवार : शिटमंडल जाए, जानकारी ले, इसमें किसी को आपत्ति नहीं है। लेकिन प्रारंभ में ही बताया जा चुका है, इसलिए मैं समझता हूं कि इस पर दुबारा कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Mr. Minister, you take the issue to the concerned Minister.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, आपने नियमन दिया है। इस विाय को आपने अत्यन्त गम्भीर माना है।â€¦ (व्यवधान)

श्री संतोा कुमार गंगवार : जब प्रारंभ में कहा गया तभी सरकार ने इसका संज्ञान लिया था लेकिन हम एक हफ्ते में सारी जानकारी आपको नहीं दे सकते। फिर भी हम समझते हैं कि शिटमंडल जाना चाहिए, अध्ययन करना चाहिए, रिपोर्ट देनी चाहिए, इसमें कुछ रोकने की बात नहीं है। इस संबंध में सरकार आवश्यक कदम उठाएगी।

MR. SPEAKER: Now, no more assurance can be given by the hon. Minister of State. Shri K.H. Muniyappa to speak now.

श्री रामजीलाल सुमन : राज्य सरकार से बात करके उनको छुड़वाने की व्यवस्था करवाइए।â€¦ (व्यवधान)